प्रथम

यह सरल हिन्दी श्रृंखला, प्रथम दो कक्षाओं के बालकों के लिये और प्रौढ़ शिक्षा में उपयोगी रहेगी । इस में, दस गीतों को आधार बना कर , उन में आए शब्दों से मात्राओं की जानकारी दी गई है । गीतों में आई शब्दावली से, सही शब्द के उपयोग की ओर ध्यान दिलाया गया है । हिन्दी भाषा पढ़ने लिखने की क्षमता के साथ साथ शब्दावली बढ़ाने का भी प्रयास किया गया है ।

दस गीतों के माध्यम से शब्दावली सीखो

विषय सूची

संख्या	शीर्षक	उद्देश्य
1.	रंग	सात रंगों की पहचान
2.	गिनती	शून्य से दस तक गिनती सीखना
3.	शरीर के अंग	दस अंगों के नाम
4.	फल	आठ फलों के नाम
5.	फूल	फूलों से परिचय व नाम
6.	घड़ी	घड़ी से परिचय व समय देखने की सरल विधि
7.	संगीत	सोलह संगीत वाद्ययों के नाम
8.	पालतू पशु	दस पालतू पशुओं के नाम
9.	चिड़िया	दस पक्षियों के नाम
10.	मेरा कमरा	कमरे के हिस्से तथा उसमें मुख्य चीजों के नाम
11.	गीतों में आए शब्दों का मात्रा के आधार पर वर्गीकरण	गीतों में शब्द सीखने के बाद लिखने और इमला लेने के अभ्यास के लिये ।

1. रंग

आओ रंगों को पहचानें ।

पीला, हरा, और लाल गुलाबी ,

क्या क्या रंग हैं, कैसे जानें ?

लाल तो होते सेब टमाटर,

सुबह का सूरज, देखो लाल ।

दही, दूध होते सफेद हैं,

काला काजल करे कमाल ।

पत्ता हरा , हरी है घास ,

पीला आम तो होता खास ।

आसमान का नीला संग ,

इन्द्र धनुष के सात हैं रंग ।

Source: The picture of colour in visual design – MHRD – resource Prof. D/o Design, IIT, Guwahati. Rainbow picture downloaded from internet

2. गिनती

आओ बच्चों, आज सभी हम ,
खेल नया एक खेलें ।
गिनती करना कितना आसान,
इसका भी रस ले लें ।। 1 ।।

पहले शून्य , फिर एक है आता ,
एक एक सब बढ़ता जाता ।
एक, दो, तीन , और
चार , पॉच से ,
अपना एक हाथ बन जाता ।। 2 ।।

छ; , और सात हैं , दूजे हाथ में ,
आठ और नौ हैं, साथ साथ में ।
दस से फिर शून्य पर आओ ,
पूरी गिनती हमें सुनाओ ।। 3 ।।

गिनती का जादु हाथों में,
घर पर भी जा कर दिखलाओ ।। 4 ।।

3. शरीर के अंग

हमारे शरीर के अंग हैं खास ,
एक है सिर , मुँह और नाक
दो हैं ऑख , गाल और कान ,
दो पॉवों पर दौड़ के जाते ,
गर्दन, इधर से उधर घुमाते
दो हाथों से करते काम ,
भरते पेट , करते आराम || 1 ||

4. फल

रॅग रॅग के , तरह तरह के ,
फल हमने देखे हैं ।
स्वाद में मीठे , या फिर खट्टे ,
मुँह में पानी, भर देते हैं || 1||
ऍगूर , आलूचा, आडू , अमरूद ,
धो कर सीधे खा लो ।
संतरा , केला , छील के खाओ ,
आम , पपीता काट के लाओ || 2||

देखो नीचे नहीं गिराओ ,

एक जगह पर बैठ के खाओ ।। 3 ।।

फलों की क्या बात है भाई ,

खाने में नहीं कुछ कठिनाई ! ।। 4 ।।

5. फूल

फूल तो पोधों पर खिलते हैं,

सुन्दर , रंग बिरंगे ।

कुछ दिन में , कुछ रात में महकें,

आओ, इनके नाम तो जाने ।। 1 ।।

सूरज देखे , तब खिलते हैं ,

सूरजमुखी, केसर , हरसिंगार ।

कमल भी दिन में खिलता है,

गेंदे, दोपहरिया, गुलाब के साथ ।। 2 ।।

चॉद देख कर खिले कमलिनी ,

चमेली , चम्पा, रात की रानी ।

रजनीगंधा , मुक्ता ने भी ,

रात ही में खिलने की ठानी ।। 3 ।।

फूल तो पौधों की दौलत हैं ,

पौधों पर इन को खिलने दो ।

तोड़ोगे तो मुर्झाएगे , जल्दी सूख , बिखर जाएगे ।। 4 ।।

6. घड़ी

टिक टिक टिक करती मैं चलती हूँ ,

घड़ी है मेरा नाम ।

रात और दिन में समय बताना ,

यही है मेरा काम ।। 1 ।।

पहले बहुत बड़ी थी मैं ,

घंटाघर कहलाती ।

चौराहे पर लगी , सभी को

सही समय बतलाती ।। 2 ।।

अब तो नाप में छोटी हो गई ,

कलाई पर बंध जाती ।

घर की दिवारों पर भी मैं ,

खूब सजाई जाती ।। 3 ।।

अब तुम मुझे देखना सीखो ,

जादू बहुत सरल है ।

बड़ी सुई जल्दी चलती है,

दिखलाती 'मिनट' है ।

पीछे पीछे सुई है छोटी ,
कहती 'घंटा' निकट है || 4 ||

हर संख्या के बीच में देखो ,
मिनट पॉच बनते हैं ।
साठ मिनट का एक है घंटा ,
बारह बारह, चौबीस घंटे, दिन में || 5 ||

सात दिनों का एक है सप्ताह ,
जिसका दूजा नाम है हफ्ता ।
चार हफ्तों का एक महीना ,
बारह माह से, वर्ष है बनता || 6 ||

समय पे जगना, समय पे सोना ,
समय पे पढ़ना , लिखना ।
खेलना तो है सही समय पे ,
समय की सब है रचना || 7 ||

7. संगीत

रून झुन रून झुन नूपुर बाजे ,

ढम ढम ढम ढम ढ़ोलक ।

मंजीरा तो बाजे छन छन,

तान बीण की मोहक ।। 1 ।।

इक तारा तो बाजे टुन टुन ,

जलतरंग लहराया ।

तबले ने नौ ताल सुना कर ,

अपना रंग जमाया ।। 2 ।।

सितार की झन्कार है हल्की ,

सुर सरोद का भारी ।

बॉसुरी की लय के संग है ,

वीणा की गति प्यारी ।। 3 ।।

मृदंग , पखावज ढाप करें जब ,

सुरबहार झनका जाए ।

सारंगी के साथ साथ तो ,

तानपूरा भी छा जाए ।। 4 ।।

8. पालतू पशु

पशुओं को अब तुम पहचानों ,

चार पॉव पर हैं चलते ,
सींघ किसी किसी के होते,
पूँछ सभी हैं रखते ।। 1 ।।
गाय तो तुम ने देखी होगी ,
घास और भूसी खाती ।
बछिया उससे दूर जो जाए ,
जोर से है रंभाती ।। 2 ।।
घोड़ा टप टप करता चलता ,
चना घास है खाता ।
बैल बहुत बलवान है भाई ,
हल को खींच ले जाता ।। 3 ।।
कुत्ता भौं भौं शोर मचाता ,
बन्दर, बकरी ,
भेड़ , मेमना ।
सब पर है घुर्राता ।। 4 ।।
हाथी सब से बड़ा पशु है ,
दूर से ही दिख जाता ।
सूँड़ तो इसकी सब से लम्बी ,
गन्ना झट से खा जाता ।। 5 ।।

9. चिड़ीया

चिड़ीया सब को प्यारी लगती ,

फुर्र फुर उड़ती जाती है || 1 ||

गौरैया है सब को भाती ,

कौआ घर घर जाता,

और कबूतर छत पर बैठा ,

गुटर गूँ है गाता || 2 ||

बादल गरजें, तभी मोर भी ,

अपना नाच दिखाते हैं ।

हंस हंसिनी और बत्तख भी,

जल में खूब नहाते हैं || 3 ||

कोयल मीठे बोल सुनाती,

मैना भी आ जाती है

अरे ! अरे! मुर्गों को देखों,

कैसे बॉग लगाते हैं || 4 ||

हंस

10. मेरा कमरा

चार दिवारों का यह कमरा ,

एक छत खिड़की और दुवार ।

एक अलमारी, मेंज और कुर्सी ,

मेज़ पे रखीं, पुस्तकें चार ।। 1 ।।

चार पॉव की चारपाई है,

चारपाई पर बिछा है बिस्तर।

आगे मेज़, पीछे है खिड़की ,

नीचे फर्श , साफ और सुन्दर ।। 2 ।।

दीवारों पर चित्र लगे हैं ,

मानो सुन्दर फूल खिले हैं ।

अपना कमरा सब को प्यारा ,

साफ इसे रखते हैं ।। 3 ।।

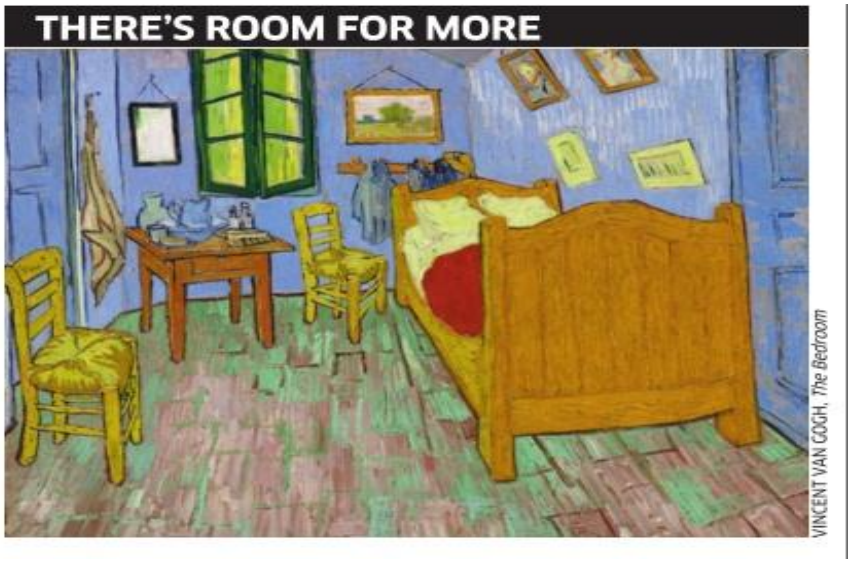

इमला के अभ्यास के लिये । सरल शब्द पहले हैं और कठिनतम अंत में दिूत्तीय 'आ' मात्रा है ' ा '

1. ' अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती । हर व्यंजन में वह अपने आप मिला हुआ होता है । देखो यहाँ 1.1 और 1.2 में दिये गए सभी शब्दों में, 'अ' स्वर की मात्रा को अलग से लिखा नहीं गया है ।

   1.1 एक , हम, समय, रस, दस, इस, फल , जल, कर, हल , सज, सब, तब, जब, अब, घर, तब, लय, बन ,वह, यह, दम, पर, हर, भर, तन ।

   1.2 सरस, बरस, सरल, कमल पहल, जगह, तरह, इधर, उधर, ।

2 'आ' स्वर, मात्रा है ' ा '

   2.1 आ, जा, का, या, खा, छा ।

   2.2 आम आज आठ नाम काम नाच घास , खास, लाल, कान, नाक, रात, बात, हाथ, चार, काट, गाय, नप ,ढाप , ताल , माह, राह , साथ , सात , साफ ,साठ , भाई, हरा, नया ,चना , बड़ा, आता , जाता , खाता , तारा , काला, सुना, तोड़ा ।

   2.3 काजल , बादल बारह , आलूचा , पालतू कमाल , रखता , कमरा , करना, अपना, झनका , मेमना, उसका ,

बढ़ता , रखता , रचना , पढ़ना , करता , चलता , जगना, आराम, आसान , जमाया बताना , मचाता , लगाते , नहाते हमारे , घुमाते , गुलाब , सुनाओ , बलवान।

2.4 मानो, रानी , पानी, ठानी ,भारी ,खाने, खाती, हाथी , भाती , मेरा, तोता , होता, पीला, नीला , सोना जाती , कौआ , लाती, लाई ,वीणा ।

2.5 सितार , गिराओ, लिखना , कितना, चिड़िया , बछिया, पपीता, चिड़िया , बछिया , गौरैया ।

2.6 आसमान , पखावज, लहराया, चारपाई, कठिनाई, कहलाती, बतलाती, तानपुरा, सुरबहार, अलमारी, पहचानो

3 छोटी 'इ' की मात्रा 'ि' वाले शब्द

3.1 इसे, इनके, इधर, सिर, फिर, दिख, दिन , टिक टिक, चित्र, बिछा, गति ।

3.2 खिले, किसी किसी, मिनट, निकट, बिखर, सितार, गिनती, लिखना, खिलना।

3.3 खिलते, खिलने, खिड़की, बछिया ।

4 बड़ी 'ई' की मात्रा 'ी' वाले शब्द

4.1 थी, भी, ही, की, गई, गीत, बीच, दही, यही, सही, हरी, लगी, पानी, जाती ।

4.2 भाई, होगी, रोटी, खाती, छोटी, तीन, बीण, वाणी, नीला, पीला, नीचे, पीछे, मीठे , सीधे, सीखो ।

4.3 दीवार, शरीर, इसकी, रखती, गिनती, खिड़की, लगती, उड़ती, बकरी, रजनी, चमेली, चलती, गुलाबी, कलाई ।

4.4 चारपाई, कहलाती, बतलाती, अलमारी, कठिनाई, कमलिनी, शोभनीय, किसी किसी ।

5. छोटे उ की मात्रा 'ु' वाले शब्द

मुझ, कुछ, तुम, टुन टुन, रुन झुन, मुझे, सुई, सुना, पशु ।

उधर, बहुत, सुबह, गुलाब, गुलाबी, सुनाओ,

सुरबहार, सूरजमुखी ।

6. बड़े ऊ की मात्रा 'ू' वाले शब्द

दूध, फूल, खूब, दूर, सूख, पूरी, दूजे, जादू ।

ऊपर, सूरज, पालतू, नूपुर, ।

अमरूद, तमबूरा, सूरजमुखी

7. ए की मात्रा ' ॅ ' वाले शब्द

7.1 पेट खेल, खेलें, देते, केसर, देख, देखें, देखो, देखी, मेज़, भेड़ , कैसे, होते , केला।

7.2 पहले, करते, भरते, हमने, उससे, सबसे, तबले, हमारे, खिलने, खिलते, पहचानें।

8. ऐ की मात्रा ' ै ' वाले शब्द

है, बैल, बैठ, कैसे, मैना, गौरैया ।

9. ओ की मात्रा ' ो ' वाले शब्द

9.1 दो, को , हो , तो, धो , लो ,

9.2 जोर, शोर , होता , होते , होगी , रोटी, छोटी, सोना , तोड़ा । आओ , लाओ, खाओ , सीखो , देखो ।

9.3 मोहक , ढोलक , सुनाओ , गिराओ , हमको , कोयल । दोपहरिया ।

10. औ की मात्रा ' ौ ' वाले शब्द

और , पौधा । दौलत , चौबीस , चौराहे , गौरैया ।

11. ॅ की मात्रा ' ॅ ' वाले शब्द और अ; की मात्रा

ॅग , रॅग, सॅग , मॉ, ऑख , पॉव , पॉच , चॉद , बॉधी

मुॅह , पूॅछ , सूॅड़ , बॉग, रॅग, ॅगूर , बिरॅगे , बॉसुरी ।

12. अः की मात्रा का केवल एक शब्द है : छः ।

13. अं की मात्रा ' ं ' वाले शब्द

मैं, हैं, में, दें, हमें, हाथों, दोनों, खेलें, फलों, नहीं, हंस, सींघ, सारंगी, रॅग बिरंगे , संतरा, पौंधों, भौं भौं , मुर्गों , घंटा घर, संगीत, मंजीरा , मृदंग, गैंदे, महकें, संख्या , खींचता, बच्चों , पुस्तकें । रजनीगंधा, हरसिंगार, जलतरंग, मुर्झाएंगे ।

14. आधे स्वर या आधे व्यंजन वाले शब्द

क्या क्या, प्यारा, प्यारी, स्वाद, मुक्ता, सप्ताह । इन्द्र धनुष ।

बच्चों , ख्ट्टे , चित्र, बिस्तर, लम्बी, जल्दी, हल्की। शून्य, द्वार।

पत्ता, कुत्ता, बत्तख । पुस्तकें , सुन्दर , बन्दर , गन्ना, पसन्द ।

झन्कार । फर्श , गर्दन , कुर्सी , मुर्झा , घुर्राता, फुर्र फुर्र।

स्माप्त ।